आइन्दा दिनांक 28/07/2022 ...

28/07/22 पत्रावली पेश हुई। वादी वकील उप०। वादी वकील ने प्रार्थना पत्र वास्ते डिक्री करने वाद पेश कर निवेदन किया कि उपरोक्त अनवान के वाद में हम वादीगण एवं प्रतिवादीगण के मध्य आपसी सहमति से राजीनामा हो गया है इसलिये उपरोक्त अनवान के वाद को आगे चलाना नहीं चाहते है। अतः उपरोक्त अनवान के वाद को जरिये राजीनामा डिक्री फरमाया जावे।

अतः वादीगण वकील द्वारा [illegible] पत्र को न्यायहित में स्वी[illegible] अनवान के वाद को जरिये राजीनामा डिक्री [illegible]माया जाता है। पत्रावली फैसल शुमार होकर दाखिल दफ्तर हो। संख्या से कम हो।

नि. नीया

सोनाराम

Signature Not Verified
Digitally signed by Ramji Bhai Kalbi
Date: 2022.10.16 18:32:53 IST
Reason: SelfAttested